

21/6/24 पत्रावली पेश हुई। वकूलाप उपस्थित
P.O साहब दीगर कार्य में ~~बस~~ है
पत्रावली पूर्व आदेशानुसार दिनांक 26/6/24
को पेश हो

26/6/24 पत्रावली पेश हुमी। वकील प्रार्थी उक्त
वकील प्रार्थी उक्त हुनी गमी। वकील प्रार्थी की
उक्त पर गनन किया एवं पत्रावली का अवलोकन
किया। पत्रावली के अवलोकन से पता कि प्रार्थी
अपनी वही का नाम डुरुस्त करवाना चाहता
है। प्रार्थी जिसका नाम शुद्ध करवाना चाहता है उक्त
अपने नाम को अवेक प्रस्तुत किया गया। एवं
ना ही कोई अप्प पत्र पेश किया गया है। अतः
प्रार्थी का प्रार्थन पत्र चलने योग्य नहीं है।
अतः प्रार्थी का प्रार्थन पत्र धारा 136
एल.आर.एम् 1956 खाली किया जाता है।
पत्रावली फिलाल शुम्ह होकर नमस्त से काम हो
करा करियल है।

(राजवीर सिंह यादव)
स्यखण्ड अधिकारी
नौनकाथाना (राज.)

